पर्यटन अध्ययन

सीटीएस

सत्रीय कार्य पुस्तिका
(2013)

टीएस–1 और टीएस–2

पर्यटन एवं आतिथ्य सेवा प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

सीटीएस सत्रीय कार्य

पर्यटन अध्ययन सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

आपको पर्यटन अध्ययन के प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना है। सत्रीय कार्य को करने से पहले कृपया पर्यटन अध्ययन की कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। हम आपको टीएस–1 और टीएस–2 के सत्रीय कार्य भेज रहे हैं।

नोटः सभी सत्रीय कार्यों को समय पर अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें। अपने सत्रीय कार्य के मुख पृष्ठ पर अपनी नामांकन सं., नाम, पता, सत्रीय कार्य कोड एवं अध्ययन केंद्र कोड लिखें। जमा कराए गए सत्रीय कार्य के बदले में अपने अध्ययन केंद्र से उसकी रसीद प्राप्त कर लें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास रखें।

मूल्यांकन के बाद, अध्ययन केंद्र द्वारा आपको सत्रीय कार्य वापस भेजा जाना अपेक्षित है। कृपया इसके लिए अनुरोध करें और रिकॉर्ड के रूप में इसे अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र सत्रीय कार्यों के अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजता है।

सत्रीय कार्य करने के लिए निर्देश

हम आपसे प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500–700 शब्दों के बीच देने अथवा जैसा सत्रीय कार्य में उल्लेख किया गया है, के अनुसार देने की आशा करते हैं। निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना आपके लिए उपयोगी होगाः

1) योजना बनानाः सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर ये सत्रीय कार्य आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ बातें नोट कर लें और तत्पश्चात उन्हें तर्कसंगत क्रम से व्यवस्थित करें।
2) संगठनः अपने उत्तरों की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले उनके चयन और विश्लेषण पर थोड़ा अधिक ध्यान दें। निबंध जैसे किसी प्रश्न का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें किः

    क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है।
    ख) उत्तर के वाक्यों और अनुच्छेदों/पैराग्राफों के बीच स्पष्ट संबंध है।
    ग) आपने अपनी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति को उपयुक्त महत्व देते हुए उत्तर सही–सही लिखा है।

3) प्रस्तुतिः जब आपको अपने उत्तर संतोषजनक लगें तो आप उन्हें भेजने के लिए अंतिम रूप देकर लिख लें। प्रत्येक उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित करें।

शुभकामनाओं सहित,

डॉ अरविन्द कुमार दुबे
कार्यक्रम संयोजक, सीटीएस

सत्रीय कार्य जमा कराने की अनुसूची

अनिवार्य पाठ्यक्रम	जनवरी सत्र के लिए अंतिम तारीख	जुलाई सत्र के लिए अंतिम तारीख
टीस–1	15 अप्रैल, 2013	15 अक्तूबर 2013
टीस–2	15 अप्रैल 2013	15 अक्तूबर 2013

टीएस 1 : पर्यटन में आधार पाठ्यक्रम
(अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः टीएस–1 **कार्यक्रम कोडः सीटीएस**
कुल अंकः 100 **सत्रीय कार्य कोडः टीएस–1/टीएमए/2013–14**

नोटः इस अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य के दो भाग हैं।
भाग I में **दो प्रश्न** हैं जिनमें से आपको **एक प्रश्न का उत्तर** देना है। यह प्रश्न 25 अंक का है और इसका उत्तर लगभग **700 शब्दों** में दें।
भाग II में **आठ प्रश्न** हैं। किन्हीं **पांच प्रश्नों** के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500 शब्दों** में दें। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।
अपने टीएमए को अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।

भाग – I

1. उदाहरणों की सहायता से पर्यटन के विभिन्न रूपों का वर्णन कीजिए। 25

अथवा

2. भारत में पर्यटन के विकास में सरकारी संगठन कौन–सी भूमिका निभाते हैं? 25

भाग–II

1. बाहरी – भीतरी (inbound-outbount) पर्यटन विनियमनों और पर्यटन पर इसके प्रभाव का विस्तार से वर्णन कीजिए। 15

2. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिएः (5x3=15)
   क) ट्रैवल एजेंसी का संचालन करना
   ख) टूर ऑपरेटर और इसके प्रकार
   ग) मनीला घोषणा

3. सांख्यिकी की परिभाषा और प्रयोग की चर्चा कीजिए और पर्यटन उद्योग में इसके महत्व का वर्णन कीजिए। 15

4. भारत में घरेलू पर्यटन के संवर्धन में सड़क और रेल यातायात की भूमिका का वर्णन कीजिए। 15

5. विभिन्न प्रकार के आवासों और उनका विपणन करते समय ध्यान में रखने योग्य महत्वपूर्ण कारकों का वर्णन कीजिए। 15

6. उत्पाद डिजाइन क्या है और स्थिति निर्धारित करना (positioning) एक महत्वपूर्ण कारक क्यों है? 15

7. ऐसे कुछ पहलुओं की चर्चा कीजिए जिन्हें आप आपसी संबंध (personal relations) से संबंधित संप्रेषण कौशल का विकास करते समय ध्यान में रखेंगे। 15

8. व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार विज्ञापन और विपणन ट्रैवल एवं पर्यटन उद्योग के लिए वरदान हैं? 15

टीएस 2 : पर्यटन विकासः उत्पाद, संचालन और स्थिति अध्ययन
(अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः टीएस–2
कुल अंकः 100

कार्यक्रमः सीटीएस
सत्रीय कार्य कोडः टीएस–2/टीएमए/2013–14

नोटः इस अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य के दो भाग हैं।

भाग । में **दो प्रश्न** हैं जिनमें से आपको **एक प्रश्न का उत्तर** देना है। यह प्रश्न 25 अंक का है और इसका उत्तर लगभग **700 शब्दों** में दें।

भाग ।। में **आठ प्रश्न** हैं। किन्हीं **पांच प्रश्नों** के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500 शब्दों** में दें। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

अपने टीएमए को अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।

भाग – ।

1. उन विभिन्न कारकों की चर्चा कीजिए जिनका विश्लेषण जनसांख्यिकी (demographic) प्रोफाइल के लिए किया जाता है और साथ ही पर्यटन की योजना बनाने में उनके महत्व की चर्चा भी कीजिए। 25

अथवा

2. वन्य जीवन और पर्यटन के बीच के संबंधों की चर्चा करते हुए किसी अभयारण्य का भ्रमण करते समय करने योग्य और न करने योग्य बातों का विस्तार से वर्णन कीजिए। 25

भाग–।।

1. पर्यटकों की प्रवृत्ति (propensity) को प्रभावित करने वाले संकेतकों का वर्णन कीजिए। 15

2. विदेशी पर्यटकों के एक समूह के लिए अपने शहर का भ्रमण करने के लिए एक योजना का वर्णन कीजिए। 15

3. 'नृत्य और संगीत भारतीय पर्यटन में मनोरंजन के प्रमुख रूप हैं' टिप्पणी कीजिए। 15

4. किस प्रकार साहस (adventure) और खेल को पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है? 15

5. भारत के मौसमी मेलों और उत्सवों का वर्णन कीजिए। साथ ही, यह भी बताइए कि ये किस प्रकार पर्यटन उद्योग की सहायता करते हैं? 15

6. कलिंग–बाली यात्रा के ऐतिहासिक उद्भव की पड़ताल कीजिए। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इन उत्सवों का प्रचार–प्रसार करने हेतु उठाए गए उपायों का वर्णन कीजिए। 15

7. बाजार आधार को बनाए रखने और उसमें वृद्धि करने के लिए पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों को कौन–सी विपणन रणनीतियों को अपनाना चाहिए। 15

8. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः (5x3=15)
   - क. राजमार्ग पर्यटन की संकल्पना
   - ख. पाटा (PATA)
   - ग. एयर इंडिया की कार्यप्रणाली
   - घ. पर्वतीय गाइड
   - च. जातीय पर्यटन (Ethnic Tourism)